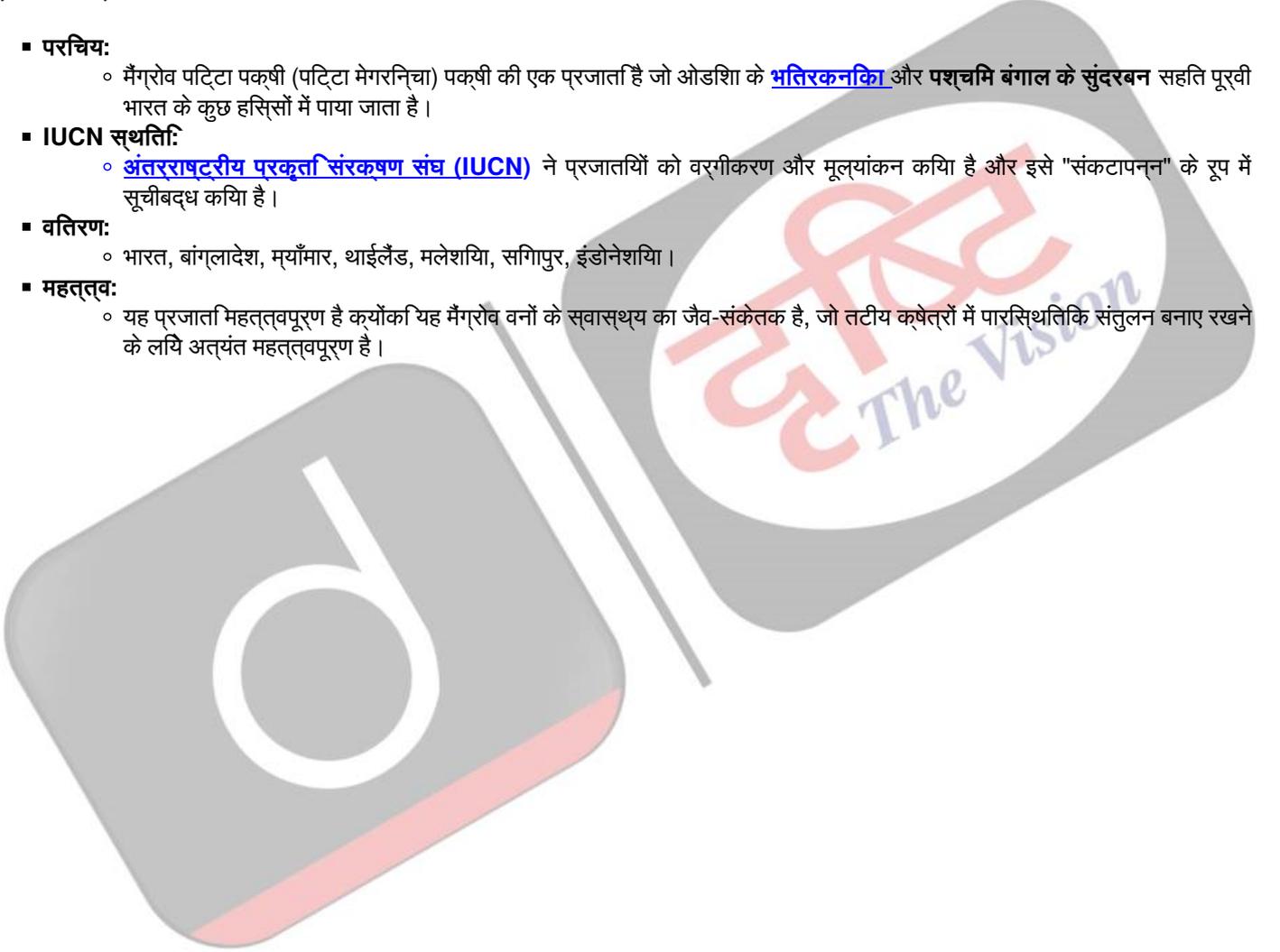


मैंग्रोव पट्टा पक्षी

हाल ही में ओडिशा के दो तटीय ज़िलों (केंद्रपाड़ा और जगतसहिपुर) में पहली मैंग्रोव पट्टा पक्षी गणना की गई।

मैंग्रोव पट्टा:

- **परिचय:**
 - मैंग्रोव पट्टा पक्षी (पट्टा मेगरनिचा) पक्षी की एक प्रजाति है जो ओडिशा के [भतिरकनिका](#) और पश्चिम बंगाल के सुंदरबन सहित पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।
- **IUCN स्थिति:**
 - [अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ \(IUCN\)](#) ने प्रजातियों को वर्गीकरण और मूल्यांकन किया है और इसे "संकटापन्न" के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- **वितरण:**
 - भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, संगापुर, इंडोनेशिया।
- **महत्त्व:**
 - यह प्रजाति महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह मैंग्रोव वनों के स्वास्थ्य का जैव-संकेतक है, जो तटीय क्षेत्रों में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।





//

मैंग्रोव पिट्टा पक्षियों की पहली जनगणना:

- यह जनगणना एक **बिंदु गणना पद्धति (Point Count Method)** का उपयोग करके आयोजित की गई थी, जहाँ पक्षियों को गनने के लिये प्रत्यक्ष दृष्टि और चहकने की आवाज़ का उपयोग किया गया था।
- मैंग्रोव पिट्टा पक्षियों की जनगणना में **कुल 179 अलग-अलग पक्षियों की गिनती की गई थी।**
- **भतिरकनिका राष्ट्रीय उद्यान** के अंदर महपिरा नदी के मुहाने के पास मैंग्रोव में इन पक्षियों की सबसे अधिक सघनता पाई गई।

स्रोत: द हिंदू